Guru Jambheshwar University of Science & technology Hisar.
In news In September 2017

# 2050 तक बदल जाएगी दुनिया इंसानों की जगह काम करेंगे रोबोट

## जीजेयू में सूचना एवं संचार तकनीक विषय पर रिफ्रेशर कोर्स शुरू

**जागरण संवाददाता हिसार** : सोनीपत के दीनबंधु छोटूराम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय मुरथल के कुलपति प्रो. राजेन्द्र सिंह अनायथ ने कहा कि 2050 तक दुनिया पुरी तरह से बदल जाएगी। मानव के मस्तिक से जुड़े बहुत से रहस्य खोजे जा चुके होंगे और तकनीक इस दिशा में बहुत बड़ी भूमिका निभाएगी। प्रो. राजेन्द्र सिंह अनायथ गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के मानव संसाधन विकास केन्द्र में शुरू हुए सूचना एवं संचार तकनीक विषय पर शुरू हुए रिफ्रेशर कोर्स को बतौर मुख्यतिथि संबोधित कर रहे थे।

इस दौरान विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मानव संसाधन विकास केन्द्र के निदेशक प्रो. नीरज दिलबागी ने की। प्रो. अनायथ ने कहा कि संसार चौथी औद्योगिक क्रांति के मुहाने पर है। आविष्कार,तथा उद्यमिता हाईटेक लाइफ स्टाईल का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि वक्त आने वाला है, जब आपके साथ आपके स्थान पर रोबोट काम करेंगे। जीवन लंबा हो चुका होगा। एकल की बजाए संयुक्त परिवार का दौर वापिस लौट आएगा।

प्रो. राजेंद्र सिंह को स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर व निदेशक प्रो. नीरज दिलबागी। ● जागरण

### आधुनिक तकनीकों का प्रयोग जरूरी

विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर ने कहा कि हम तकनीकी उपकरणों का समुचित प्रयोग नहीं कर रहे हैं। उन्होंने प्रतिभागियों से कहा कि वे अपने शिक्षण संस्थानों में शिक्षण के दौरान आधुनिक तकनीक का प्रयोग करें तथा विद्यार्थियों को इन तकनीकों से अवगत करवाएं। मानव संसाधन विकास केन्द्र के निदेशक प्रो. नीरज दिलबागी ने कहा कि प्रभावशाली शिक्षण के लिए जरूरी है कि आधुनिक तकनीकों का प्रयोग किया जाए। कोर्स समन्वयक डा. वन्दना पुनिया ने अपने संबोधन में कहा कि कोर्स में देश के विभिन्न भागों से 32 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। कोर्स समन्वयक अनुराग सांगवान ने मंच संचालन किया।

# जीजेयू के डिस्टेंस विभाग में 30 तक होंगे दाखिले

**जागरण संवाददाता हिसार** : जिले के कॉलेज और विश्वविद्यालयों में दाखिला प्रक्रिया पूरी होने के बाद जीजेयू के डिस्टेंस विभाग में दाखिला प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और विद्यार्थियों ने दाखिला लेना शुरू कर दिया है। विभिन्न कारणों से रेगुलर मोड में दाखिला नहीं ले पाने वाले विद्यार्थी अब डिस्टेंस मोड का रूख कर रहे हैं। विश्वविद्यालय के दूरस्थ विभाग द्वारा विभिन्न विषयों के कुल 16 कोर्स संचालित किए जा रहे हैं। पिछली बार की तरह इस बार भी द्राखिले सेंटर के माध्यम से न होकर सीधे विश्वविद्यालय में ही होंगे। विद्यार्थी ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 30 सितंबर है।

गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय के डिस्टेंस विभाग में देशभर से बड़ी संख्या में विद्यार्थी दाखिला लेते हैं। सत्र 2016 से पहले विश्वविद्यालय मे हर वर्ष करीब 8 हजार विद्यार्थी दाखिला लेते हैं। लेकिन पिछले सत्र से स्टडी सेंटर बंद होने के कारण विद्यार्थियों की संख्या करीब आधी हो गई है।

हालांकि विश्वविद्यालय के राजस्व पर इससे कोई असर नहीं पड़ा। पिछले वर्ष विश्वविद्यालय में करीब साढ़े तीन हजार विद्यार्थियों ने दाखिला लिया था। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार इस वर्ष करीब चार हजार विद्यार्थियों के दाखिला लेने की उम्मीद है।

### ये कोर्स हैं विश्वविद्यालय में

**पोस्टग्रेजुएशन कोर्स**
- एमबीए
- एमकॉम
- एमएससी कंप्यूटर साइंस
- एमएससी मैथेमेटिक्स
- एमएसीए
- एमसीए फाइव इयर इंटिग्रेटिड
- एमए मॉस कम्यूनिकेशन

**पीजी डिप्लोमा कोर्स**
- पीजी डिप्लोमा इन कम्प्यूटर साइंस
- पीजी डिप्लोमा इन एनवायरमेंटल मैनेजमेंट
- पीजी डिप्लोमा इन टेक्सासेशन
- पीजी डिप्लोमा इन एडवरटाइजिंग एंड पब्लिक रिलेशन
- पीजी डिप्लोमा इन बेकरी साइंस एंड टेक्नोलॉजी
- पीजी डिप्लोमा इन काउंसलिंग एंड बिहेवियर मोडिफिकेशन
- पीजी डिप्लोमा इन इंडस्ट्रियल सेफ्टी मैनेजमेंट

**ग्रेजुएशन कोर्स**
- बैचलर इन बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन
- बीए इन मॉस कम्यूनिकेशन

दूरस्थ विभाग में सभी 16 कोर्सों में दाखिले जारी हैं। सभी कोर्सों की आवेदन की अंतिम तिथि 30 सितंबर है। **डा. संजय तिवारी,** डिप्टी डायरेक्टर, डिस्टेंस विभाग जीजेयू हिसार।

दैनिक जागरण - 3/9/17

# गुजवि में शुरू हुआ स्वच्छता पखवाड़ा

हिसार, 1 सितम्बर (का.प्र.): गुरू जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार द्वारा स्वच्छता पखवाड़ा मनाया जा रहा है। पखवाड़े की शुरूआत शुक्रवार से हुई।

यह पखवाड़ा 15 सितम्बर तक चलेगा। पखवाड़े का संचालन स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत केन्द्र की समन्वयक मृणालिनी नेहरा व कार्यक्रम अधिकारी डा. राजीव कुमार द्वारा किया जा रहा हैं। समन्वयक मृणालिनी नेहरा ने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा साफ-सफाई को लेकर चलाए जा रहे स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत अभियान के तहत देश की सफाई व्यवस्था में सुधार तो आया है, परन्तु अभी और अधिक सुधार की आवश्यकता है। भारत देश को सुंदर बनाने के लिए साफ-सफाई की बहुत आवश्यक है। जिस प्रकार हम अपने आप को स्वच्छ व सुंदर रखते है उसी प्रकार हमें अपने आस-पास के क्षेत्र को भी साफ-सुथरा रखना चाहिए।

कार्यक्रम अधिकारी डा. राजीव कुमार ने कहा कि हमें साफ-सफाई की ओर विशेष ध्यान देना होगा। स्वच्छता पखवाड़ा के पहले दिन विश्वविद्यालय कैम्पस में क्लीन कैम्पस-डे मनाया गया।

इस दौरान कैम्पस में साफ-सफाई की गई और सभी कर्मचारियों व उनके परिवार के सदस्यों को अपने-अपने क्षेत्र में साफ-सफाई रखने हेतु प्रेरित किया गया। इस अवसर पर डा. प्रीति प्रभाकर, विनोद गोयल, सतपाल सिंह, कमल, सतीश भूटानी, प्रकाश, अजित रंगा, बागवानी स्टाफ व विश्वविद्यालय के विद्यार्थी उपस्थित रहें।

*स्वच्छता पखवाड़ा के तहत विश्वविद्यालय कैम्पस में सफाई अभियान में भाग लेते हुए विद्यार्थी।*

पंजाब केसरी हिसार - 2/9/17

आयोजन | 15 सिंतबर से शुरू होगी इंटर कॉलेज स्पोर्ट्स टूर्नामेंट, एथलेटिक्स, फुटबॉल, वालीवॉल, कबड्डी, कुश्ती सहित कई खेल शामिल

# इंटर कॉलेज स्पोर्ट्स टूर्नामेंट में होंगे 40 खेल, शुरुआत योगा से

जागरण संवाददाता हिसार : गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय से संबद्ध हुए सभी कॉलेजों के बीच खेल महाकुंभ 15 सितंबर से शुरू होगा। जीजेयू के बीच होने वाले इस इंटर कॉलेज स्पोर्ट्स टूर्नामेंट में कुल 40 खेलों को शामिल किया गया है। वहीं संबद्ध महाविद्यालयों में खेलों के स्तर को ओर अधिक ऊंचा उठाने के लिए तमाम आवश्यक सुविधाएं विवि द्वारा मुहैया करवाई जाएंगी। बुधवार को जीजेयू के कमेटी हाल में हुई खेल परिषद की 19वीं बैठक तमाम फैसले लिए गए। बैठक की अध्यक्षता विवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। इस दौरान कुलसचिव डा. अनिल पुंडीर भी मौजूद रहे। बैठक का संचालन खेल निदेशक डा. एसबी लुथरा ने किया। विभिन्न कॉलेजों के स्पोर्ट्स इंचार्ज को भी स्पेशल इनवाइटी के रूप में आमंत्रित किया था। विवि के कुलपति प्रो. कुमार ने कहा कि तकनीकी विश्वविद्यालयों तथा सम्बद्ध महाविद्यालयों में खेलों को और अधिक बढ़ावा दिया जाएगा और तकनीकी विषयों के विद्यार्थियों को भी खेलों की ओर आकर्षित किया जाएगा। डा. अनिल पुंडीर ने कहा कि विश्वविद्यालय के साथ महाविद्यालयों के सबंद्ध होने के बाद विश्वविद्यालय का खेल स्तर और अधिक ऊंचा होगा। विश्वविद्यालय के खेल निदेशक डा. एसबी लुथरा ने बताया कि बैठक में विश्वविद्यालय में खेलों को बढ़ावा देने के लिए खेल गतिविधियों हेतु 28 लाख की राशि भी स्वीकृत की गई है।

### अलग-अलग कॉलेजों को दी जाएगी जिम्मेदारी

विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी खेलों के लिए रणनीति बना ली है। विभिन्न खेल करवाने के लिए जिम्मेदारी अलग अलग कॉलेजों को सौंपी जाएगी। इसके लिए कॉलेजों से उनकी टीमों की जानकारियां मांगी गई है, ताकि विभिन्न खेलों के लिए आयोजन की जिम्मेदारी कॉलेजों को दी जा सके। वहीं कॉलेजों में खेलों के एक्सपर्ट, उनके अनुभव आदि के बारे में भी ब्यौरा मांगा गया है। वहीं बुधवार को होने वाली बैठक में पूरे वर्ष की खेल प्रतियोगिताओं की रूपरेखा भी तैयार की जाएगी।

### इन खेलों को किया गया शामिल

आर्चरी, योगा, एथलेटिक, क्रोस कंट्री, बॉस्केटबॉल, खोखो, फुटबाल, चेस, टेबल टेनिस, टेनिस, वॉलीबाल, जूडो, बॉक्सिग, वेट लिफ्टिग, रेशलिंग, बैडमिंटन, कबड्डी, क्रिकेट, वुशू, हेंडबॉल, शुटिंग, ताइक्वांडो, टग ऑफ वार, सर्कल स्टाइल कबड्डी, हॉकी, बॉल बैडमिंटन, बेसबॉल, केनोइंग एंड कायाकिंग, साइक्लिग, फेंसिंग, याचटिंग, रॉविंग, जिमनास्टिस एंड मलखंब, सॉफ्टबॉल, नेटबॉल, साइक्लिग ट्रेक, ई-स्पोर्टस, पॉवर लिफ्टिंग, स्वीमिंग, रोल बॉल।



कॉलेजों के संबद्ध होने के बाद हमने केयूके की तर्ज पर 40 खेलों को ही चयनित किया है। 15 सितंबर से इंटर कॉलेज स्पोर्ट्स टूर्नामेंट शुरू होगा। विभिन्न खेलों का आयोजन अलग- अलग कॉलेजों में करवाया जाएगा।

– डा. एसबी लूथरा, खेल निदेशक, जीजेयू हिसार।

### बैठक में ये रहे शामिल

बैठक में विश्वविद्यालय का खेल कैलेंडर पारित किया गया। इंटर यूनिवर्सिटी के खेल कैलेंडर व वार्षिक खेल गतिविधियों को अनुमोदित किया गया। इस अवसर पर प्रो. हरभजन बंसल, प्रो. राजेश मल्होत्रा, प्रो. सुजाता सांघी, प्रो. नीरज दिलबागी, डा. सोनिका, डा. विकास, मृणालिनी नेहरा, डा. एसएस सांगा, डा. कृष्ण कुमार, डा. प्रेम, कमल व कृष्ण कुमार उपस्थित रहे।

### ...तो होंगे ट्रायल

कॉलेजों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों का अधिक रूझान शारिरीक श्रम वाले खेलों में होता है। मसलन एथलेटिक्स, फुटबॉल, वॉलीबॉल, कबड्डी, कुश्ती आदि। लगभग सभी मुख्य कॉलेजों इन खेलों के खिलाड़ी हैं। वहीं कई ऐसे भी खेल हैं, जिनकी टीमें जिले के इक्का दुक्का कॉलेज में ही हैं। कई ऐसे भी कॉलेज हैं, जहां किसी भी खेल की कोई टीम ही नहीं है। ऐसे में कमेटी की बैठक में निर्णय लिया गया कि टूर्नामेंट में तीन से कम टीमें होती हैं तो इंटर यूनिवर्सिटी के लिए टीम का चयन ट्रायल के आधार पर होगा।

दैनिक जागरण - 7/9/17

---

## ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल द्वारा उदभावना कार्यक्रम का आयोजन

# अखबार का सम्पादकीय पेज पढ़ना जरूरी: पुंडीर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय में ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल द्वारा उदभावना कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर ने मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत की। उन्होंने कहा कि

■ प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों से 70 विद्यार्थियों ने भाग लिया



हिसार। प्रतिभागियों को सम्मानित करते कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर। फोटो :हरिभूमि

स्वामी विवेकानंद ने छोटी उम्र में ही दुनिया की सोच बदल दी थी।

उनका शिकांगो में दिया गया भाषण आज भी दुनिया भर के श्रेष्ठ भाषणों में से एक माना जाता है। कार्यक्रम का शुभारम्भ स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर महान राष्ट्रीय विभूति को नमन कर किया।कुलसचिव डा. पुंडीर ने कहा कि स्वामी विवेकानंद का जीवन पूरे समाज एवं देश के लिए प्रेरणा का श्रोत है। विद्यार्थी स्वामी विवेकानंद के विचारों को ग्रहण कर अपनी शक्ति को रचनात्मक दिशा में लगाकर एक नया आयाम स्थापित करें। उन्होंने कहा कि आज विद्यार्थियों को व्यक्तित्व विकास और कौशल विकास की आवश्यकता है और इनका एकमात्र साधन समाचार पत्र है। हमारे कौशल विकास के लिए प्रतिदिन समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाला सम्पादिक पेज है। हर विद्यार्थी को प्रतिदिन समाचार पत्र पढ़ना चाहिए। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रताप सिंह मलिक ने बताया कि उदभावना कार्यक्रम के तहत एप्टीट्यूड परीक्षा व भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों से 70 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

जिसमें अंग्रेजी भाषण प्रतियोगिता में सुमित ने पहला, तिक्षा ने दूसरा तथा पूजा सचदेवा ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। एप्टीट्यूड परीक्षा में संयम ने पहला स्थान, मोहित ने दूसरा तथा पूजा मल्हान ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। प्रोत्साहित करना प्रतियोगिता में स्वाति सैनी ने पहला तथा कृतिका ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। इस मौके पर डा. एनके बिश्नोई, डा. तरूणा तथा प्रो. अनादता ने प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका अदा की।

हरिभूमि - 12/9/17

# स्वामी विवेकानंद का जीवन पूरे समाज एवं देश के लिए प्रेरणा का स्त्रोत : डा. पुंडीर

पांच बजे न्यूज

हिसार। गुजवि के कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर ने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने छोटी उम्र में ही दुनिया की सोच बदल दी थी। उनका शिकागो में दिया गया भाषण आज भी दुनिया भर के श्रेष्ठ भाषणों में से एक माना जाता है।

डा. पुंडीर विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल द्वारा आयोजित उदभावना कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि विद्यार्थियों को सम्बोधित कर रहे थे। कार्यक्रम का शुभारम्भ स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर महान राष्ट्रीय विभूति को नमन कर किया। डा. अनिल कुमार पुंडीर ने कहा कि स्वामी विवेकानंद का जीवन पूरे समाज एवं देश के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है। इसी प्रकार विद्यार्थी स्वामी विवेकानंद के विचारों को ग्रहण कर अपनी शक्ति को रचनात्मक दिशा में लगाकर एक नया आयाम स्थापित करें। उन्होंने कहा कि आज विद्यार्थियों को व्यक्तित्व विकास और कौशल विकास की आवश्यकता है और इनका एकमात्र साधन समाचार पत्र है। हमारे कौशल विकास के लिए प्रतिदिन समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाला सम्पादिक पेज है। हर विद्यार्थी को प्रतिदिन समाचार पत्र पढ़ना चाहिए। ट्रेनिंग एंड प्लेसमैंट सेल के निदेशक प्रताप सिंह मलिक ने बताया कि मासिक प्रतियोगिता दिवस कार्यक्रम के तहत एप्टीट्यूड टेस्ट और अंग्रेजी भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों से 170 प्रतिभागियों ने भाग लिया। उन्होंने बताया कि एप्टीट्यूड परीक्षा में एमबीए के संयम को प्रथम घोषित किया गया। सीएसई चतुर्थ वर्ष के मोहित ने दूसरा तथा एमएससी रसायन विज्ञान की पूजा मल्हन ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। सीएसई चतुर्थ वर्ष के छात्र आकाश गहलावत तथा एमएससी केमिस्ट्री की छात्रा तनिशा को प्रोत्साहन पुरस्कार दिया गया। भाषण प्रतियोगिता में ईसीई के सनमित सिंह ने पहला स्थान प्राप्त किया। तनिशा को दूसरा पुरस्कार मिला और सीएमटी विभाग की पूजा सचदेवा को तीसरा पुरस्कार मिला। उन्होंने बताया कि कैरियर और काउंसलिंग सेल के निदेशक व एचएसबी के शिक्षक डा. वी के बिश्नोई, खाद्य प्रौद्योगिकी विभाग की डा. आराधिता और मनोविज्ञान विभाग से डा. तरूणा भाषण प्रतियोगिता के निर्णायक थे। डा. वी के बिश्नोई ने परिणामों की घोषणा करते हुए छात्रों को अपने संचार कौशल को बढ़ाने के लिए अधिकतम प्रयास करने के लिए कहा।

### गुजवि में कार्यशाला आयोजित

गुजवि की ट्रेनिंग एंड प्लेसमैंट सैल ने एंड्रॉइड ऐप डेवलपमेंट पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यालय में कम्प्यूटर साईंस एंड इंजीनियरिंग और इलेक्ट्रोनिक्स एंड कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग विभाग के तृतीय और चतुर्थ वर्ष के 100 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यशाला को ग्रेटर नोएडा स्थित कोडरूम कम्पनी के विषय विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों को सम्बोधित किया। यह जानकारी देते हुए ट्रेनिंग एंड प्लेसमैंट सैल के निदेशक प्रताप सिंह मलिक ने बताया कि नवीनतम आईटी विषय एंड्रॉइड ऐप डेवलपमेंट पर एक दिवसीय कार्यशाला में छात्रों को जावा भाषा और एंड्रॉइड ऐप डेवलपमेंट बारे विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यशाला में कम्पनी की तरफ से दीपक महापात्रा, अंजय कुमार, आयुष मेहरा और नीरव कपूर द्वारा प्रतिभागियों को विभिन्न बिन्दुओं पर तकनीकी जानकारी प्रदान की गई।

पांच - 13/9/17

# एंड्रॉयड एप डेवलपमेंट पर वर्कशॉप में स्टूडेंट्स ने ली टेक्निकल नॉलेज

सिटी रिपोर्टर • जीजेयू की ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सैल ने एंड्रॉयड एप डेवलपमेंट पर वर्कशॉप आर्गेनाइज किया गया। कार्यालय में कम्प्यूटर साईंस एंड इंजीनियरिंग और इलेक्ट्रोनिक्स एंड कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट के थर्ड और फोर्थ ईयर के 100 से अधिक स्टूडेंट ने पार्टिसिपेट किया। कार्यशाला ग्रेटर नोएडा स्थित कोडरूम कंपनी के एक्सपर्ट ने प्रतिभागियों को संबोधित किया। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सैल के डायरेक्टर प्रताप सिंह मलिक ने बताया वर्कशॉप में जावा भाषा और एंड्रॉयड एप डेवलपमेंट के बारे में जानकारी दी गई। वर्कशॉप में कंपनी की तरफ से दीपक महापात्रा (चीफ एकेडमिक इनीशियेटिव) अजय (प्रमुख एंड्रॉइड डोमेन) आयुष मेहरा (हेड आईओएस डोमेन) और नीरव कपूर (टेक्निकल इंजीलिस्ट)ने पार्टिसिपेंट्स को टेक्निकल जानकारी दी। कार्यशाला में भाग लेने वाले प्रतिभागियों ने विचार सांझा किए व स्पेशलिस्ट से प्रश्न पूछे।

कार्यशाला में क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। इलेक्ट्रोनिक्स एंड कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग विभाग के सहायक प्रोफेसर अश्विनी ने कार्यशाला संचालन में सहयोग किया।

दैनिक आस्था - 13/9/17

# नई तकनीक की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण : टंकेश्वर

जीजेयू के वीसी टंकेश्वर कुमार स्मृतिचिह्न भेंट करते हुए। अमर उजाला

हिसार (ब्यूरो)। गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि वैज्ञानिक युग में नई तकनीक की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। विद्यार्थियों में आविष्कार और अनुसंधान के लिए एक दूर दृष्टि होनी चाहिए। युवा शक्ति को नए विचारों के साथ आगे आना चाहिए।

प्रो. टंकेश्वर कुमार विश्वविद्यालय के चौधरी रणबीर सिंह सभागार में आयोजित संवाद सत्र को संबोधित कर रहे थे। संवाद सत्र में स्विस एंबेसी नई दिल्ली के शिक्षा, शोध एवं आविष्कार के सीनियर थिमेटिक एडवाइजर डॉ. इंद्रनील घोष मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। स्विट्जरलैंड में उच्च शिक्षा और अनुसंधान करने के लिए विश्वविद्यालय के छात्रों, शोधार्थियों और शिक्षकों के लिए ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल और फैकल्टी ऑफ इन्वायर्नमेंट एवं बॉयो साइंस एंड टेक्नोलॉजी की ओर संवाद सत्र का आयोजन किया गया। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय में विज्ञान और तकनीकी शिक्षा में अनुसंधान और उच्च अध्ययन के लिए नवीनतम उपकरण और अनुकूल वातावरण वाली प्रयोगशालाएं और सभी संरचनात्मक संसाधन उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक विनिमय कार्यक्रम के माध्यम से भी आविष्कार और शिक्षा की बहुत संभावनाएं हैं।

मुख्य वक्ता डॉ. इंद्रनील घोष ने प्रतिभागियों को विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों, नवीनतम गतिविधियों और स्विसनेक्स इंडिया द्वारा उपलब्ध करवाए जाने वाले ज्ञान विनिमय संभावनाओं के बारे में बताया। उन्होंने पात्रता मानदंड, आवेदन के लिए छात्रवृत्ति, समय सीमा तथा आवेदन करने की प्रक्रिया के बारे में बताया। सत्र के दौरान एक प्रश्नोत्तरी सत्र का भी आयोजन किया गया। इसमें डॉ. घोष ने स्विट्जरलैंड में उच्च अध्ययन की प्रक्रिया और संभावनाओं के बारे में सवालों के जवाब दिए। ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रताप सिंह मलिक ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

# नए विचारों के साथ युवा बदल सकते हैं देश का भविष्य : वीसी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

वैज्ञानिक युग में नई तकनीक की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। विद्यार्थियों में आविष्कार और अनुसंधान के लिए एक दूरदृष्टि होनी चाहिए। युवा शक्ति को नए विचारों के साथ आगे आना चाहिए ताकि उत्पादों और आविष्कारों में बदलाव लाया जा सकें। गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने आयोजित संवाद सत्र में कही। इस संवाद सत्र में स्विस अम्बेसी नई दिल्ली के शिक्षा, शोध एवं आविष्कार के सीनियर थिमेटिक एडवाईजर डा. इन्द्रनील घोष मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। स्विट्जरलैंड में उच्च शिक्षा और अनुसंधान करने के लिए विश्वविद्यालय के छात्रों, शोधार्थियों व शिक्षकों के लिए ट्रेनिंग एंड प्लेसमैंट सेल तथा फैकल्टी ऑफ इन्वायर्नमेंट एवं बायोसाईंस एंड टेक्नोलॉजी द्वारा संवाद सत्र का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय में विज्ञान और तकनीकी शिक्षा में अनुसंधान और उच्च अध्ययन के लिए नवीनतम उपकरण और अनुकूल वातावरण वाली प्रयोगशालाएं तथा सभी संरचनात्मक संसाधन उपलब्ध है।

उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक विनिमय कार्यक्रम के माध्यम से भी आविष्कार और शिक्षा की बहुत संभावनाएं हैं, जिसमें छात्रों, शोधार्थियों तथा शिक्षकों को विभिन्न स्विस विवि की प्रयोगशालाओं में काम करके अपने संबंधित क्षेत्रों में रोजगार का अवसर मिल सकता है। भारतीय छात्र स्विट्जरलैंड में अध्ययन करने में रूचि दिखा रहे है।

Hari Bhoomi

हिसार जीजेयू में भाषण प्रतियोगिता में पहले स्थान पर रहने वाली प्रतिभागी को सम्मानित करते हुए कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार पुंडीर।

# थियेटर में अनुराग, संगीत में निखिल, नृत्य में अलका की दमदार प्रस्तुति ने मन मोहा

## प्रतिभा खोज के विजेताओं को कुलसचिव ने दिए पुरस्कार

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार।

गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार पुंडीर प्रतिभा खोज के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए। उन्होंने कहा कि हर युवा को अपनी प्रतिभा का उपयोग करना चाहिए।

डॉ. अनिल कुमार पुंडीर युवा कल्याण निदेशालय की ओर से आयोजित दो दिवसीय प्रतिभा खोज कार्यक्रम के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. हरभजन बंसल ने की। प्रतिभा खोज के दूसरे दिन संगीत व गायन प्रतिस्पर्द्धाओं में भजन, गीत, रागिनी और वाद्य यंत्र की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। दोपहर बाद नृत्य विधाओं में सामान्य नृत्य, हरियाणवी और क्लासिकल नृत्य प्रतियोगिताएं हुईं। खाद्य प्रौद्योगिकी विभाग की डॉ. आराधिता राय, हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनेस की डॉ. हिमानी शर्मा, युवा कल्याण पर्यवेक्षक डॉ. सुखदास ने संगीत और गायन प्रतिस्पर्द्धा भजन, गीत, रागिनी और वाद्य यंत्र की प्रतियोगिताओं में निर्णायक मंडल की भूमिका निभाई।

हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनेस के प्रो. दलबीर सिंह, कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग की डॉ. ज्योति वशिष्ठ और प्रिंटिंग विभाग की डॉ. प्रीति प्रभाकर ने नृत्य विधाओं में सामान्य नृत्य, हरियाणवी और क्लासिकल नृत्य प्रतियोगिताओं में निर्णायक की भूमिका अदा की।

### प्रतियोगिताओं के परिणाम

| प्रतियोगिता | पहला स्थान | दूसरा स्थान |
|---|---|---|
| भाषण | पूजा सचदेवा | सतेंद्र |
| कविता | भानुप्रिया | आदित्य |
| फाइन आर्ट | गरिमा | हिमानी |
| थियेटर | अनुराग | पूजा सचदेवा |
| संगीत | निखिल शर्मा | अनुभव |
| नृत्य | अल्का | रमन व केसर |
| वाद्य संगीत | अनुराग | कार्तिक असवाल |

अमर उजाला- 20/9/17

# एड एंड पीआर के पूर्व विद्यार्थियों को मिलेगी मास कम्युनिकेशन की डिग्री

## गुजवि प्रशासन ने ब्रिज कोर्स किया शुरू दो अतिरिक्त विषयों की देनी होगी परीक्षा

संदीप बिश्नोई ● हिसार

गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय के मास कम्युनिकेशन विभाग से एडवर्टाइजमेंट एंड पब्लिक रिलेशन की डिग्री कर चुके विद्यार्थियों के लिए अच्छी खबर है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने उनके लिए एक ब्रिज कोर्स शुरू करने का निर्णय लिया है। इसके तहत विद्यार्थियों को दो अतिरिक्त विषयों की परीक्षा देनी होगी, जिन्हें पास करने पर विवि द्वारा उन्हें मास कम्युनिकेशन की डिग्री दी जाएगी।

एड एंड पीआर की डिग्री की मान्यता न होने के कारण विद्यार्थियों को नौकरियां नहीं मिल पा रही थी।विश्वविद्यालय के डीन अकेडमिक अफेयर डा. राजेश मल्होत्रा ने बताया कि जिन विद्यार्थियों के पास एड एंड पीआर की डिग्रिया हैं, उनको दो अतिरिक्त विषयों की परीक्षाएं देनी होंगी। ये दोनों विषय पास करने के बाद विश्वविद्यालय उनको नई डिग्रियां जारी कर देगा जिन पर मास कम्युनिकेशन लिखा होगा। यह डिग्री सभी जगह मान्य होगी। डा. मल्होत्रा ने बताया कि यूजीसी द्वारा जारी की गई कोर्सों की सूची में एड एंड पीआर कोर्स नहीं था। इस कारण विद्यार्थियों को सरकारी क्षेत्र में नौकरी नहीं मिल पा रही थी। डिग्री की मान्यता नहीं होने के कारण एक छात्रा का हरियाणा पब्लिक सर्विस कमीशन की ओर से आयोजित भर्ती में सिलेक्शन नहीं हो पाया था।

**डिग्री मान्य नहीं होने के कारण एडवरटाइजमेंट एंड पब्लिक रिलेशन के विद्यार्थियों को नहीं मिल रही थी नौकरी**

### विश्वविद्यालय बदलेगा डिग्रियां

विश्वविद्यालय के डीन अकेडमिक अफेयर डा. राजेश मल्होत्रा ने बताया कि जिन विद्यार्थियों के पास एड एंड पीआर की डिग्रिया हैं, उनकी दो विषयों की परीक्षाएं होंगी। ये दोनों विषय पास करने के बाद विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को नई डिग्रिया जारी कर देगा जिन पर मॉस कम्युनिकेशन के बराबर लिखा होगा। इसके बाद विद्यार्थियों की ये डिग्रिया सभी जगह मान्य होंगी और विद्यार्थियों को नौकरी मिलने में कोई परेशानी नहीं होगी।

विद्यार्थी लंबे समय से परेशान थे और विभाग के चक्कर लगा रहे थे। ब्रिज कोर्स करने के बाद विद्यार्थियों की डिग्रिया सभी जगह मान्य होंगी और उन्हें फायदा होगा।

**प्रो. विक्रम कौशिक,** डीन, फैकल्टी ऑफ मीडिया साइंस, जीजेयू।

विद्यार्थियों की सुविधाओं पर हमारा फोक्स है। विद्यार्थी अगर कुछ एक्सट्रा पढ़ कर कैरियर बना सकते हैं तो हमारी जिम्मेदारी बनती थी कि उन्हें मौका दिया जाए। इसलिए हमने विद्यार्थियों के लिए ब्रिज कोर्स शुरू करने का निर्णय लिया। विद्यार्थियों से एप्लीकेशन मंगवाई गई हैं। दो पेपर पास करने के बाद उनकी डिग्री बदली जाएगी। यह नौकरी पाने के लिए विद्यार्थियों के लिए बेहद कारगर साबित होगा।

**प्रो. टंकेश्वर कुमार,** कुलपति, जीजेयू।

### 2015 में मर्ज कर दिया था विभाग

यूजीसी के अनुसार एड एंड पीआर की डिग्री मान्य नहीं होने के चलते विवि प्रशासन ने 2015 में इस विभाग को मॉस कम्युनिकेशन विभाग में मर्ज कर दिया था। विद्यार्थियों को मॉस कम्युनिकेशन के बराबर डिग्री मिलने लगी। विवि प्रशासन के अनुसार विभाग के मर्ज होने से पहले तक करीब 450 विद्यार्थी इस कोर्स को कर चुके हैं। डिग्री के मान्य नहीं होने के कारण ये विद्यार्थी बार बार विवि और विभाग के चक्कर लगा रहे थे।

दैनिक जागरण- 22/9/17

# गुजवि में ऑन कैम्पस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन

आज समाज नेटवर्क

हिसार। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार की ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सैल की ओर से ऑन कैम्पस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया, जिसमें विश्वविद्यालय के फार्मेसी विभाग के पांच विद्यार्थियों का चयन हुआ। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार तथा कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार पुंडीर ने चयनित विद्यार्थियों को बधाई दी व उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। ट्रेनिंग एंड पलेसमैंट सैल के निदेशक प्रताप सिंह मलिक ने बताया कि गुडगांव स्थित फार्मास्यूटिकल क्षेत्र की कम्पनी किमिया बायोसाईंसिज लिमिटेड (पूर्व नाम लॉरेल ऑर्गेनिक्स लिमिटेड) के द्वारा ऑन कैम्पस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन सैल के सभागार में किया गया। प्लेसमैंट ड्राइव का पहला चरण 5 सितम्बर 2017 को आयोजित किया गया था, जिसमें बी.फार्मेसी तथा एम. फार्मेसी अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों ने भाग लिया।

उन्होंने बताया कि किमिया बायोसाइंसेस लिमिटेड कंपनी द्वारा साक्षात्कार हेतु 9 विद्यार्थियों को चुना गया। साक्षात्कार के बाद कंपनी द्वारा एम.फार्मा की छात्रा गीतिका व रिम्पी को क्वालिटी एश्योरेंस प्रोफाइल के लिए चुना गया। वहीं बी फार्मा की छात्रा शीतल व एम फार्मा की छात्रा सोनिया रानी व पारूल को क्वालिटी कन्ट्रोल प्रोफाइल के लिए चुना गया। मलिक ने बताया कि चयनित छात्राएं 3 अक्टूबर से अपनी नौकरी ज्वाईन करेंगी। निदेशक प्रताप सिंह मलिक व सहायक निदेशक आदित्यवीर सिंह ने फार्मेसी विभाग के अध्यक्ष डॉ. एस.के. सिंह व ट्रेनिंग एंड प्लेसमैंट समन्वयक डॉ. मुनीश आहुजा, शिक्षकों डॉ. रवि व डॉ. सुनयना का प्लेसमैंट ड्राइव में सहयोग के लिए धन्यवाद व्यक्त किया।

आज समाज- 27/9/17

# जीजेयू के फार्मेसी विभाग की पांच छात्राओं को मिली जॉब

कैंपस इंटरव्यू में चयनित छात्र छात्राओं के साथ टीचिंग स्टाफ।

हिसार। गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल की ओर से ऑन कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के फार्मेसी विभाग के पांच विद्यार्थियों का चयन हुआ। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रताप सिंह मलिक ने बताया कि गुरुग्राम स्थित स्थित फार्मास्यूटिकल क्षेत्र की कंपनी किमिया बायोसाइंसेज लिमिटेड ने नौ विद्यार्थियों को चुना। साक्षात्कार के बाद एम फार्मा की छात्रा गीतिका और रिंपी को क्वालिटी इंश्योरेंस प्रोफाइल, बी फार्मा की छात्रा शीतल और एम फार्मा की छात्रा सोनिया रानी, पारूल को क्वालिटी कंट्रोल प्रोफाइल के लिए चुना गया।

अमर उजाला- 27/9/17

# युवाओं ने दिए रचनात्मक सुझाव

## आइडिया इनोवेशन : किसी ने ब्लू व्हेल रोकने तो किसी ने सालिड वेस्ट पर की चर्चा

**जागरण संवाददाता हिसार :** जीजेयू में सोमवार को विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों ने अपने आइडिया की प्रेजेंटेशन दी। किसी ने सॉलिड वेस्ट जैसे थैलियां, प्लास्टिक आदि से सड़क बनाने का आइडिया दिया तो किसी ने ब्लू व्हेल को रोकने के फोन में ही एक सॉफ्टवेयर अपडेट करने का विचार दिया। पर्यावरण को लेकर विद्यार्थियों की चिंता सबसे अधिक दिखी। विद्यार्थियों ने कूड़े के ढेर को छोटा करने की तकनीक भी एक्सपर्ट के सामने रखी। पंडित दीन दयाल उपाध्याय इंक्यूबेशन सेंटर द्वारा आयोजित 'आइडिया इनोवेशन' का उद्घाटन हरियाणा विश्वकर्मा स्किल विश्वविद्यालय, गुरुग्राम के कुलपति डा. राज नेहरू ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। इस दौरान विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर व कार्यकारी परिषद के सदस्य प्रो. केसी अरोड़ा विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे।

कुलपति राज नेहरू ने कहा कि 'आइडिया' केवल आइडिया स्तर पर ही नहीं सिमटना चाहिए बल्कि आइडियाज को फलीभूत किया जाना चाहिए। आइडिया विकसित करने में शिक्षक अहम भूमिका निभा सकते हैं। नए आइडिया की खोजकर्ता को ये जान लेना चाहिए कि उसका आइडिया क्या है तथा उसकी उपयोगिता क्या है। नए आइडिया खोजकर्ता को समाज व राष्ट्र की चुनौतियों की भी जानकारी होनी चाहिए ताकि उसका आइडिया समाज व राष्ट्र के लिए लाभदायक हो सके।

**इनोवेटिव आइडियाज के लिए विशेष फण्ड का होगा प्रावधान:** विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सिंगापुर का उदाहरण देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा अगले बजट सत्र में इनोवेटिव आइडियाज के लिए विशेष फण्ड का प्रावधान भी किया जाएगा। कुलपति डा. अनिल कुमार पुंडीर ने कहा कि वर्तमान पीढ़ी को पंडित दीन दयाल उपाध्याय के जीवन को पढ़ना व समझना चाहिए। फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के अधिष्ठाता प्रो. योगेश चाबा ने बताया कि विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों द्वारा सामाजिक, पर्यावरण, स्वास्थ्य, प्रबंधन व अभियान्त्रिकी आदि क्षेत्रों से सम्बन्धित 50 से अधिक इनोवेटिव आइडिया प्रस्तुत किए गए। प्रो. योगेश चाबा ने बताया कि इस अवसर पर डा. नितिन कुमार, डा. नरेन्द्र गुप्ता तथा डा. विक्रम सिंह विषय विशेषज्ञ के रूप में मौजूद रहे। इस दौरान प्रो. संदीप राणा, प्रो. मनोज दयाल, डा. प्रीति, डा. वंदना, डा. अम्बरिश पांडे, डा. जय भगवान, डा. सरदुल, डा. संदीप कुमार, डा. महेश शर्मा, डा. विजय पाल, डा. कुलदीप, डा. रजनीश व डा. एससी कुंडू निर्णायक मण्डल के सदस्य रहे।

विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित करते हुए कुलपित प्रो. टंकेश्वर कुमार और अन्य।

### ये चुने आइडिया इनोवेटिव

फिजियोथेरेपी विभाग की छात्रा चारू व सुमेधा, फार्मेसी विभाग की छात्रा मोनू, प्रशांत, बायो एंड नैनो विभाग की छात्रा भारती, कुनाल, अप्सरा शर्मा, रोहित, साइकोलॉजी विभाग की छात्रा मंजू, मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के छात्र प्रवेश, अंकित, अतुल, मनीष, इलेक्ट्रोनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग विभाग के छात्र राकेश, मनीष, भूपेन्द्र, आषिमा, अमित व योगेश, प्रिंटिंग विभाग के छात्र अप्रीतम, फिजिक्स विभाग की छात्रा शालू, मैथेमेटिक्स विभाग की छात्रा पूजा, कम्प्यूटर साईंस एंड इंजीनियरिंग विभाग के छात्र सागर, लोकेश, यश व गौतम के आइडिया इनोवेटिव को चुना गया।

दैनिक जागरण- 26/9/17

कार्यक्रम के विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित करते हुए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर एवं कार्यक्रम में उपस्थित प्रतिभागी।

# गुजवि अगले बजट सत्र में करेगा इनोवेटिव आइडियाज के लिए विशेष फंड का प्रावधान

हिसार, 25 सितम्बर (का.प्र.): हरियाणा विश्वकर्मा स्किल विश्वविद्यालय, गुरुग्राम के कुलपति डा. राज नेहरू ने कहा कि 'आइडिया' केवल आइडिया स्तर पर ही नहीं सिमटना चाहिए बल्कि आइडियाज को फलीभूत किया जाना चाहिए। आइडिया विकसित करने में शिक्षक अहम भूमिका निभा सकते हैं। डा. राज नेहरू सोमवार को गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के चौधरी रणबीर सिंह सभागार में पंडित दीन दयाल उपाध्याय इंक्यूबेशन सेंटर द्वारा आयोजित 'आइडिया इनोवेशन' के उद्घाटन समारोह को बतौर मुख्यातिथि सम्बोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। डा. अनिल कुमार पुंडीर व कार्यकारी परिषद के सदस्य प्रो. के.सी. अरोड़ा विशिष्टातिथि के रूप में उपस्थित रहे। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि किसी भी देश के विकास के लिए केवल प्राकृतिक संसाधनों का होना जरूरी नहीं है। उन्होंने महान विचारक व समाज सुधारक दीन दयाल उपाध्याय को याद करते हुए कहा कि उनका सपना था कि इस देश में कोई गरीब ना रहे। हर नागरिक सक्षम हो। उनका यह सपना तभी सम्भव हो सकता है जब हम नए आइडिया को विकसित कर राष्ट्र व समाज के उत्थान के लिए उनका प्रयोग करेंगे। विश्वविद्यालय द्वारा अगले बजट सत्र में इनोवेटिव आइडियाज के लिए विशेष फंड का प्रावधान भी किया जाएगा। डा. अनिल कुमार पुंडीर ने कहा कि वर्तमान पीढ़ी का पंडित दीन दयाल उपाध्याय के जीवन को पढ़ना व समझना चाहिए। प्रो. योगेश चाबा ने बताया कि इस अवसर पर डा. नितिन कुमार, डा. नरेन्द्र गुप्ता तथा डा. विक्रम सिंह विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। इस दौरान प्रो. संदीप राणा, प्रो. मनोज दयाल, डा. प्रीति, डा. वंदना, डा. जय भगवान, डा. सरदुल, डा. संदीप कुमार, डा. महेश शर्मा, डा. विजय पाल, डा. कुलदीप, डा. रजनीश व डा. एस.सी. कुंडू निर्णायक मण्डल के सदस्य रहे। उन्होंने बताया कि फिजियोथेरेपी विभाग की छात्रा चारू व सुमेधा, फार्मेसी विभाग की छात्रा मोनू रानी, प्रशांत भारद्वाज, बायो एंड नेनो विभाग की छात्रा भारती, कुनाल चुटानी, अप्सरा शर्मा, रोहित, साइकोलोजी विभाग की छात्रा मंजू आर्य, मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के छात्र प्रवेश सोनी, अंकित रावत, अतुल कुमार, मनीष चहल, इलैक्ट्रोनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग विभाग के छात्र राकेश, मनीष, भूपेन्द्र, आषिमा, अमित जैन व योगेश, प्रिंटिंग विभाग के छात्र अप्रीतम घोष, फिजिक्स विभाग की छात्रा शालू, मैथेमेटिक्स विभाग की छात्रा पूजा, कम्प्यूटर साईंस एंड इंजीनियरिंग विभाग के छात्र सागर राणा, लोकेश, यश व गौतम वर्मा के आइडिया इनोवेटिव को चुना गया।

पंजाब केसरी हिसार- 26/9/17

# गुजवि में 360 डिग्री पर घूमकर नजर रखेंगे पीटीजेड कैमरे, रात में भी करेंगे काम

## विश्वविद्यालय में सुरक्षा के मद्देनजर 78 लाख की लागत से लगे 104 हाई क्वालिटी कैमरे

जागरण संवाददाता हिसार : गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय में 104 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, जो पूरे विश्वविद्यालय कैंपस पर बाज की तरह नजर रखेंगे। राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान के तहत 78 लाख रुपये की लागत से लगे इन कैमरों में से 64 हाई क्वालिटी के बुलेट कैमरे सभी विभागों के मुख्य द्वारों पर लगाए हैं। इसके अलावा विश्वविद्यालय में स्थित डा. भीमराव अंबेडकर पुस्तकालय के अंदर 28 डोम कैमरे लगाए गए हैं। वहीं लड़कों व लड़कियों के छात्रावास, विश्वविद्यालय में बने पार्क, कैंपस तथा खेल विभाग के पिछले खाली मैदान व कैंपस की देखरेख हेतु 12 पीटीजेड कैमरे लगाए है। ये कैमरे 360 डिग्री पर चक्कर लगाते हुए पूरे क्षेत्र को कवर करेंगे। इन सभी कैमरों की सेंट्रलाइज मॉनिटरिंग विश्वविद्यालय के सिक्योरिटी ऑफिस में रहगी। सेंट्रलाइज मॉनिटरिंग कार्यालय का उद्घाटन मंगलवार को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर भी उपस्थित रहे।

सेन्ट्रलाइज मॉनिटरिंग कार्यालय का उद्घाटन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। ● जागरण

### विश्वविद्यालय की प्रत्येक गतिविधियां होंगी रिकॉर्ड

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के हर कोने पर सीसीटीवी कैमरों की पैनी नजर रहेगी और कैमरे विश्वविद्यालय की सुरक्षा में मील का पत्थर साबित होंगे। इन कैमरों से विश्वविद्यालय की सुरक्षा में आसानी होगी और विश्वविद्यालय की प्रत्येक गतिविधियां रेकॉर्ड होंगी। विश्वविद्यालय के सिस्टम मैनेजर विपिन मक्कड़ ने बताया कि विश्वविद्यालय के प्रत्येक मुख्य द्वार, सभी विभागों के द्वार, पुस्तकालय, सभागार, पार्क, शॉपिंग काम्पलेक्स व प्रशासनिक भवन सहित सभी इमारतों पर हाई क्वालिटी के 104 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। उन्होंने बताया कि इस प्रोजेक्ट को पूरा करने में तकनीकी सहायक राजेश पुनिया व जूनियर प्रोग्रामर सौरभ सुखीजा की अहम भूमिका रही।

### कार्यक्रम में ये रहे मौजूद

इस अवसर पर शैक्षणिक मामलों के अधिष्ठाता प्रो. राजेश मल्होत्रा, प्रोक्टर प्रो. संदीप राणा, मानव संसाधन विकास केन्द्र के निदेशक प्रो. निरज दिलबागी, फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के अधिष्ठाता प्रो. योगेश चाबा, प्रो. कर्मपाल नरवाल, प्रो. रिषी पाल, कुलपति के सचिव मुकेश, यूसीआईसी हैड मुकेश कुमार, मुख्य सुरक्षा अधिकारी यतराम सिंह व अनिल कुमार उपस्थित रहे।

### बड़े एरिया को कैप्चर करने के लिए लगाया जाता है पीटीजेड

सिस्टम मैनेजर विपिन मक्कड़ ने बताया कि 12 कैमरे पीटीजेड हैं, जो लॉर्ज एरिया को कवर करने के लिए लगाए जाते हैं। यह कैमरे 360 डिग्री पर घूम सकते हैं और मॉनिटरिंग कर रहा व्यक्ति उसे लाइव जूम करते हुए दूर तक स्पष्ट देख सकता है। इसे जरूरत के अनुसार ऊंचाई पर लगाया जा सकता है। ये कैमरे लड़कों व लड़कियों के छात्रावास, विश्वविद्यालय में बने पार्क, कैंपस तथा खेल विभाग के पिछले खाली मैदान व कैंपस में लगाए गए हैं। विश्वविद्यालय में लगाए गए सभी कैमरे इंफ्रा रेड हैं और रात को भी काम करेंगे।

दैनिक जागरण- 27/9/17

# बायो नैनो में बहुत कुछ हासिल करने की जरूरत : प्रोफेसर बरूस

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार।

मिशिगन तकनीकी विश्वविद्यालय संयुक्त राष्ट्र अमेरिका के डीन ऑफ कॉलेजिज प्रो. बरूस ई. सेली ने कहा कि शोधकर्ताओं और निवेशकों की ओर से औद्योगिक अनुप्रयोगों पर ध्यान केंद्रित किया जाता है। उनके सामाजिक प्रभाव व दीर्घकालीन परिणामों पर ध्यान नहीं दिया जाता। वे जीजेयू के बॉयो एंड नैनो विभाग की ओर से आयोजित विशेष व्याख्यान में बतौर मुख्या वक्ता संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम का संचालन मानव संसाधन विकास केंद्र के निदेशक प्रो. नीरज दिलबागी ने किया। प्रो. बरूस ई. सेली ने कहा कि संघीय सरकार द्वारा शुरू की गई मानव जीनोम परियोजना ने आकस्मिक क्षेत्र के नैतिक कानूनी सामाजिक प्रभाव पर विशेष ध्यान दिया है। नए उभरते हुए प्रत्येक क्षेत्र में नैतिक समस्याएं उत्पन होती है जिनकी रोकथाम बहुत आवश्यक होती है। उन्होंने नैनो के भविष्य को अनुप्रयोगों पर प्रकाश डाला। जिसमें जल शुद्धिकरण, सौंदर्य प्रसाधन, कैंसर उपचार व रक्षा शामिल है। उन्होंने कहा कि बायो नैनो में बहुत कुछ हासिल करने की जरूरत है। इस अवसर पर डॉ. संदीप कुमार ने प्रो. बरूस ई. सेली का स्वागत किया। मौके पर डॉ. विनोद छाकर, प्रो. दिनेश चुटानी, डॉ. नमिता सिंह, डॉ. संतोष कौशिक, डॉ. राजेश ठाकुर, डॉ. केके कपूर उपस्थित रहे।

जीजेयू में प्रो. बरूस ई. सेली को सम्मानित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

## जीजेयू तथा मिशिगन तकनीकी विश्वविद्यालय मिलकर करेंगे शोध व शिक्षण के क्षेत्र में मिलकर कार्य : कुलपति

हिसार। जीजेयू तथा मिशिगन तकनीकी विश्वविद्यालय मिशिगन अमेरिका शोध व शिक्षण के क्षेत्र में मिलकर कार्य करेंगे। इसको लेकर बुधवार को दोनों विश्वविद्यालयों की तीसरी बैठक विश्वविद्यालय के कुलपति कार्यालय में कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार की अध्यक्षता में हुई। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि बैठक में मिशिगन तकनीकी विश्वविद्यालय, मिशिगन, संयुक्त राष्ट्र अमेरिका के डीन ऑफ कॉलेजिज प्रो. बरूस ई. सेली तथा विश्वविद्यालय के संकायों के अधिष्ठाताओं ने भाग लिया।

अमर उजाला - 28/9/17

कार्यक्रम | कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार की अध्यक्षता में कुलपति कार्यालय में हुई बैठक

# मिशिगन विवि और जीजेयू मिलकर करेंगे शोध

जागरण संवाददाता हिसार : मिशिगन तकनीकी विश्वविद्यालय और गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय शोध व शिक्षण के क्षेत्र में मिलकर कार्य करेंगे। इसको लेकर बुधवार को दोनों विश्वविद्यालयों की तीसरी बैठक विश्वविद्यालय के कुलपति कार्यालय में कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार की अध्यक्षता में हुई। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि बैठक में मिशिगन तकनीकी विश्वविद्यालय के डीन ऑफ कॉलेजिज प्रो. बरूस ई. सेली और विश्वविद्यालय के संकायों के अधिष्ठाताओं ने भाग लिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद के सदस्य प्रो. केसी अरोड़ा भी मौजूद रहे।

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि मिशिगन तकनीकी विश्वविद्यालय और गुजवि संयुक्त रूप से शिक्षा एवं शोध के उन क्षेत्रों की पहचान करेंगे, जिसमें शिक्षकों, शोधार्थियों व विद्यार्थियों का आदान प्रदान किया जा सके। इस बैठक में मेकेनिकल इंजीनियरिंग, कंप्यूटर इंजीनियरिंग, बायो एंड नैनो साइंसिज, फिजिक्स तथा केमिस्ट्री विषयों पर शोध के आदान-प्रदान पर विशेष चर्चा हुई। प्रो. बरूस ई. सेली ने बताया कि गुजवि व मिशिगन तकनीकी विश्वविद्यालय शिक्षा के स्तर को बढ़ाने हेतु विभिन्न योजनाएं तैयार करके मिलकर कार्य करेंगे। इस अवसर पर शैक्षणिक मामलों के अधिष्ठाता प्रो. राजेश मल्होत्रा, फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नॉलोजी के अधिष्ठाता प्रो. योगेश चाबा, फैकल्टी ऑफ बेसिक साइंस के अधिष्ठाता प्रो. देवेन्द्र मोहन तथा मानव संसाधन विकास केन्द्र के निदेशक प्रो. नीरज दिलबागी मौजूद रहे।

मिशिगन के प्रो. बरूस ई सेली को स्मृति चिन्ह भेंट करते गुजवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

### संयुक्त परियोजना पर कर रहे काम

कुलपति ने बताया कि इससे पहले विश्वविद्यालय की दो बैठकें मिशिगन तकनीकी विश्वविद्यालय के प्रो. रविन्द्रा पांडेय तथा प्रो. योक येप के साथ आयोजित की जा चुकी हैं। जिसके फलस्वरूप बायो एंड नेनो टेक्नोलॉजी विभाग के प्रो. नीरज दिलबागी व डा. संदीप कुमार मिशिगन तकनीकी विश्वविद्यालय के प्रो. योक येप के साथ संयुक्त रूप से एक परियोजना पर कार्य कर रहे हैं।

दैनिक जागरण - 28/9/17

## डॉ. अनिल कुमार पुंडीर ने मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत की

# बैडमिंटन प्रतियोगिता में गुजवि बना विजेता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय में खेल विभाग द्वारा आयोजित इंटर कॉलेज खेल प्रतियोगिताओं का समापन बृहस्पतिवार को हुआ। इस मौके पर कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर ने मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत की। डा. पुंडीर ने कहा कि देश के प्रत्येक नागरिक को खिलाड़ियों की तरह शारीरिक रूप से स्वस्थ होना बहुत आवश्यक है। यदि हमारा शरीर स्वस्थ होगा तो हमारा समाज व राष्ट्र भी स्वस्थ होगा।

हिसार। बैडमिंटन प्रतियोगिता में विजेता टीम को सम्मानित करते कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार पुंडीर। फोटो :हरिभूमि

उन्होंने कहा कि देश का एक तिहाई पुरूष वर्ग मोटापे से पीड़ित है जबकि 50 प्रतिशत महिला वर्ग मोटापे से ग्रस्त है। इतना ही नहीं देश की दो तिहाई जनता शुगर और हायपर टैन्शन से जूझ रही है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र के विकास के लिए प्रत्येक नागरिक को स्वस्थ होना बहुत आवश्यक है। यदि हम शारीरिक रूप से तन्दुरूस्त नहीं है तो हम किसी भी क्षेत्र में पूर्ण रूप से कार्य नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि जिस तरह सड़क, बस, टेन व अन्य सार्वजनिक स्थल पर एनसीसी के कैडेट तथा एनएसएस के स्वयंसेवक अनुशासन का परिचय देते है, उसी प्रकार खिलाड़ियों को अनुशासन का परिचय देना चाहिए। सभ्य समाज में सभ्यता का होना बहुत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को सच्ची लग्न और मेहनत के साथ खेलना चाहिए। उन्होंने भारतीय महिला क्रिकेट टीम की खिलाड़ी फ्लाइंग लेफ्टिडेंट शिखा पांडे के बाबत कहा कि उन्होंने खेल के साथ-साथ पढ़ाई में अपना लक्ष्य हासिल किया है ,उसी प्रकार सभी खिलाड़ियों को पढ़ाई में भी विशेष ध्यान देना चाहिए। गुजवि के खेल निदेशक डा. एस.बी. लुथरा ने कहा कि क्रास कंट्री दौड़ के पुरूष वर्ग में आदमपुर के एफजीएम राजकीय महाविद्यालय ने पहला स्थान प्राप्त किया। दयानन्द महाविद्यालय ने दूसरा तथा हांसी के राजकीय महाविद्यालय ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। महिला वर्ग में राजकीय स्नात्तकोतर महाविद्यालय ने पहले स्थान, हांसी के एसडीएम महाविद्यालय ने दूसरा तथा हांसी का राजकीय महाविद्यालय ने तीसरे स्थान पर रहा। उन्होंने बताया कि ताईक्वांडो टूर्नामेंट के पुरूष वर्ग में तलवंडी राणा के एसआरएम महाविद्यालय ने पहला, गुजवि शिक्षण विभाग (यूटीडी, गुजवि) ने दूसरा तथा हांसी के राजकीय महाविद्यालय ने रोपरा स्थान प्राप्त किया। वहीं महिला वर्ग में राजकीय महिला महाविद्यालय पहले, हांसी

हरिभूमि - 29/9/17

हिसार

# अपने और परिवार के सुनहरे भविष्य के लिए नशे से दूर रहें युवा

आज का युवा वर्ग बहुत तेजी से फैशन की ओर बढ़ रहा है, ओर इसमें नशा नाम का एक नया फैशन शामिल हो गया है, जिसका अंतिम पड़ाव ही आत्महत्या होता है। युवा किसी भी देश की वो नींव होती है जिस पर उस देश का सुनहरा भविष्य टिका होता है, आप जरा सोचिए क्या होगा उस देश का जिसकी नींव खोखली होती जा रही हो। यकीनन उस देश का भविष्य तो क्या वर्तमान भी अंधेरे में चला जाएगा।

भारत मे युवाओं की संख्या अन्य देशों से अधिक है, 65 फीसद युवाओं की आयु 35 वर्ष से कम की है। सरकार का पूरा ध्यान युवाओं के कौशल को पहचान कर उन्हें अवसर प्रदान कर विश्व भर में भारत को सही स्थान दिलवाना है। लेकिन ये जानकर हैरानी होगी कि भारत देश की 64 फीसद जनसंख्या नशा खोरी से ग्रस्त है। जिनकी उम्र 18 वर्ष से कम है, उन्हें अक्सर नशा करते देखा जा सकता है। व्हाइटनर, पेट्रोल, डीजल, कफसीरप, नींद की गोलिया, गांजा, अफीम, धांग, सुल्फा, शराब, ड्रग्स, बूट पालिश का इस्तेमाल कर नशा करते है, जहां अभी तक सिर्फ पंजाब के युवा नशे से ग्रस्त थे अब ये यूपी, हरियाणा, मध्यप्रदेश, राज्यस्थान, छत्तीसगढ़ के साथ साथ समस्त भारत का युवा नशे की चपेट में आता जा रहा है। फैशन के नाम पर शुरू

हुआ ये नशा कब लत बन जाता है, ये नशा करने वाले व्यक्ति को खुद पता नही चलता है। नशा न मिलने के अभाव में इनका स्वभाव चिड़चिड़ा हो जाता है ,शरीर मे अजीब सी बेचैनी होने लगती है उन दिनों ये खुद को असमान्य महसूस करने लगते हैं और तब इन्हें न चाहकर भी नशे को निरंतर जारी रखना पड़ता है। एक समय ऐसा आता है कि इन के पास नशे का सेवन करने के लिए पैसे तक नहीं होते और तब ये युवा जुर्म की उन राहों पर चल पड़ते है, जहाँ का हर कदम एक नए अपराध को दस्तक देता है।

कई नशाखोर युवा अपनी इस लत से इस हद तक हताश ओर निराश हो जाते है कि आत्महत्या का चुनाव कर अपनी उस जिंदगी को खत्म कर देते है जो किसी भी परिवार के लोगों के मुस्कराने की वजह होती है। सरकार ने नशे को खत्म करने के किए अलग अलग तरह के कानून लागू किये हैं, कई ऐसे ऐसे संस्थान स्थापित किये, जहाँ व्यायम और दवाओं से नशे की लत को छुड़ाने का काम किया जाता है। एक कहावत बहुत पुरानी है जो अक्सर बुजुर्गो से सुनी जाती है कि वो सोना किस काम का जो कानो को घाव दे, ओर वो फैशन किस काम का जो कोई अन्य फैशन करने के लायक ही न रहने दे। एक छोटी सी चींटी भी भलीभांति जानती है कि शक्कर में पड़े रेत के कण में से केवल शक्कर के कण ही उठाने हैं और हम तो मनुष्य हैं जिसे परमात्मा ने सोचने समझने, सही- गलत, अच्छे बुरे को पहचानने की शक्ति दी है। हमे उसका सही से उपयोग करने की जरूरत है।

**ज्योति शर्मा**, छात्रा, मॉस कम्युनिकेशन विभाग, जीजेयू हिसार।

दैनिक जागरण - 30/9/17

# जीजेयू के सात विद्यार्थियों का हुआ चयन

हिसार : जीजेयू के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल द्वारा ऑन कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया, जिसमें विश्वविद्यालय के कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग के सात विद्यार्थियों का चयन हुआ है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार तथा कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर ने चयनित विद्यार्थियों को बधाई दी। विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सैल के निदेशक प्रताप सिंह मलिक ने बताया कि चंडीगढ़ स्थित रैप्स आईटेक कंपनी द्वारा प्लेसमेंट व अपरेंटिसशिप ड्राइव का आयोजन सैल के सभागार में आयोजित किया गया। प्लेसमेंट ड्राइव के पहले चरण में कम्प्यूटर साईंस एंड इंजीनियरिंग, इंफोर्मेशन टेक्नोलॉजी, इलेक्ट्रोनिक्स एंड कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग के 98 विद्यार्थियों ने ऑनलाइन परीक्षा व साक्षात्कार हेतु भाग लिया। जिसमें से कम्प्यूटर साईंस एंड इंजीनियरिंग विभाग के चतुर्थ वर्ष के छात्र प्रिंस मुंजाल, सागर राणा व वर्षा सिंह को चुना गया। साथ ही राष्ट्रीय प्रशिक्षु प्रशिक्षण योजना के तहत कम्पनी द्वारा आयोजित एपरेंटिसशिप ड्राइव में एमसीए के तृतीय वर्ष के 24 विद्यार्थियों ने भाग लिया। जिसमें से विकास यादव, आशिक खान, हुपेन्द्र व अमित को चुना गया।

दैनिक जागरण - 30/9/17